

शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि का विद्यार्थियों पर प्रभाव

डॉ. सरोज चौधरी, उप प्राचार्या, विवेक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, कालवाड़, जयपुर, राजस्थान

सारांश

आधुनिक युग में शिक्षकों की भूमिका बहुत अधिक महत्वपूर्ण हो गई है क्योंकि वे छात्रों को न केवल ज्ञान देते हैं, बल्कि उन्हें जीवन में जरूरी कौशल भी सिखाते हैं। शिक्षक छात्रों के साथ सहयोग करते हुए उन्हें नैतिक मूल्यों के बारे में भी समझाते हैं जो एक अच्छे नागरिक के लिए अत्यंत आवश्यक होते हैं। चूंकि एक शिक्षक छात्र के व्यवहार को आकार देता है, अतः देश को भावात्मक रूप से मजबूत व संतुलित बनाने के लिए यह आवश्यक है कि शिक्षक भी संवेगात्मक रूप से सुदृढ़ हों। उच्च संवेगात्मक बुद्धि वाला शिक्षक ही अपने छात्रों के संवेगों की अनुभूति करने, प्रयोग करने, पहचानने, सीखने एवं समझने की आंतरिक शक्ति को विकसित कर उज्ज्वल सुदृढ़ भविष्य हेतु योग्य बना सकता है।

मुख्य शब्द : संवेगात्मक बुद्धि, शिक्षक दक्षता,

